राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में राज्य के पाँच विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों की समीक्षा–बैठक आयोजित हुई

पटना, 07 दिसम्बर 2020

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान के निदेशानुसार आज राजभवन के सभाकक्ष में राज्य के 5 विश्वविद्यालयों –पटना विश्वविद्यालय, पटना, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना एवं मौलाना मजहरूल हक अरबी–फारसी विश्वविद्यालय, पटना के कुलसचिवों की समीक्षा–बैठक सम्पन्न हुई; जिसमें इन विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों की समीक्षा हुई।

बैठक के दौरान उक्त विश्वविद्यालयों में लम्बित एवं वर्तमान शैक्षणिक–सत्र की परीक्षाओं के आयोजन तथा उनके परीक्षाफल–प्रकाशन की गहनता से समीक्षा की गई। कोविड–19 के फलस्वरूप परीक्षाओं के आयोजन में हुए विलम्ब के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया कि सभी विश्वविद्यालय आयोजित होनेवाली परीक्षाओं का कैलेण्डर इस रूप में तैयार कर लें कि सभी पूर्व लंबित परीक्षाएँ भी वर्तमान सत्र में ही आयोजित हो जाएँ ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र को शुरू करने में कोई विलम्ब नहीं हो सके।

समीक्षा के क्रम में सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों को यह कहा गया कि वे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के साथ–साथ नियमित पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के आयोजन में भी पूरी मुस्तैदी बरतें।

सभी विश्वविद्यालयों को बताया गया कि जनवरी 2021 के उत्तरार्द्ध में सभी विश्वविद्यालयों के ''वर्चुअल दीक्षांत समारोह'' आयोजित होने हैं अतएव उसके पूर्व यू॰जी॰ एवं पी॰जी॰ के परीक्षाफल अनिवार्यतः प्रकाशित कर दिये जाने चाहिए ताकि ससमय डिग्रियाँ वितरित हो सकें।

बैठक में पाया गया कि पटना विश्वविद्यालय को छोड़कर बाकी चारों विश्वविद्यालयों की परीक्षाओं के आयोजन में विलम्ब हुआ है; अतएव संबंधित विश्वविद्यालयों को शीघ्र परीक्षाएँ आयोजित कराते हुए परीक्षाफल प्रकाशित कराने को कहा गया।

बैठक में सभी कुलसचिवों को ऑन–लाइन डिग्री वितरण के कार्य में गति लाने को कहा गया ताकि विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानियाँ नहीं हों। इस कार्य में शिथिलता बरतने पर इसे गंभीरता से लिये जाने की भी हिदायत दी गई।

आज की बैठक में ऑनलाईन टिचिंग को और अधिक प्रभावी बनाये जाने पर भी जोर दिया गया तथा कहा गया कि 'इन्टरैक्टिव क्लासेज' के आयोजन से संबंधित पूर्व सूचना अनिवार्यतः विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय की वेबसाइटों पर प्रकाशित की जायें। साथ ही कुलसचिवों को यह भी कहा गया कि यह हर हालत में सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि निर्धारित पाठ्यक्रम से संबंधित पूर्ण एवं उत्कृष्ट ''स्टडी मेटेरियल, लेक्चर्स एवं लिंक्स विद्यार्थियों को संबंधित विभागों द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

.....